संस्कृत–विभाग

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय श्रीनगर गढ़वाल

स्नातकोत्तर (एम0 ए0) प्रवेशपरीक्षा–पाठ्यक्रम (संस्कृत)

सत्र– 2018

एम0 ए0 संस्कृत विषय में प्रवेशार्थ होने वाली परीक्षा 'बी0 ए0 संस्कृत' के प्रथम से षष्ठ सेमेस्टर तक, हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा पढ़ाये जाने वाले सी0 बी0 सी0 एस0 पाठ्यक्रम के मुख्य संस्कृत विषय के साहित्य, दर्शन् एवं व्याकरण के प्रश्न पत्रों पर आधारित होगी–

वर्ग– 1 पद्य काव्य

(क) रघुवंशमहाकाव्य– 1–25 श्लोक (प्रथम सर्ग)

(ख) शिशुपालवध महाकाव्य– द्वितीय सर्ग– 26–36 एवं 42–56 श्लोक

(ग) नीतिशतक– 1–20 श्लोक।

(घ) पद्य काव्यकार–वाल्मीकि, व्यास, कालिदास, माघ, भर्तृहरि, अश्वघोष, भारवि, श्रीहर्ष, जयदेव,

वर्ग– 2 गद्य काव्य

(क) शुकनासोपदेश

(ख) शिवराजविजय –प्रथम निःश्वास

(ग) गद्य काव्यकार–सुबन्धु, बाण, दण्डी, अम्बिकादत्त व्यास, पञ्चतन्त्र, हितोपदेश,

वर्ग– 3 संस्कृत नाटक

(क) प्रतिमानाटक– 1–3 अङ्क,

(ख) अभिज्ञानशाकुन्तल–अङ्क–4,

(ग) नाटकीय पारिभाषिक शब्द– नाटक, नायक, नायिका, पूर्वरङ्ग, नान्दी, सूत्रधार, नेपथ्य, प्रस्तावना, कञ्चुकी, विदूषक, अङ्क, स्वगत, प्रकाश, अपवारित, जनान्तिक, आकाशभाषित, विष्कम्भक, प्रवेशक एवं भरतवाक्य,

(घ)प्रमुख नाटककार–भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, हर्ष, भवभूति,

वर्ग– 4 संस्कृत व्याकरण

(क)संज्ञाप्रकरण

(ख) सन्धि प्रकरण

(ग) विभक्तिप्रकरण

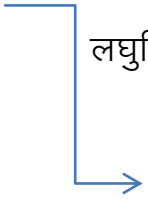

वर्ग– 5 दर्शन् धर्म एवं संस्कृति–

(क) श्रीमद्भगवद्गीता– अध्याय– 2 एवं अध्याय– 12,

(ख) धर्म के दस लक्षण, सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, पञ्चमहायज्ञ एवं तीन ऋण, सञ्चितकर्म, क्रियमाणकर्म एवं प्रारब्ध कर्म,

(ग) भारतीय संस्कृति–संस्कार एवं पुरुषार्थ,

(घ) स्वधर्म, कर्मयोग एवं स्थितप्रज्ञ,

वर्ग– 6 काव्यशास्त्र–

(क) काव्यप्रकाश– (1) काव्य–लक्षण,
(2) काव्यभेद,
(3) काव्य–प्रयोजन,
(4) काव्य हेतु, ,

(ख) काव्यशास्त्री – आचार्य मम्मट